स्वच्छता में सिरमोर इंदौर ने अब नशामुक्ति के लिए साइकिल दौड़ाई

- किसी साइकिल पर तिरंगा लहरा रहा था तो किसी पर 'नशे से दूरी है जरूरी' का संदेश
- बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी ने उत्साह के साथ साइक्लोथॉन में भाग लिया

नव भारत न्यूज

इंदौर. शनिवार की सुबह पलासिया चौराहे पर रोजाना की तरह सिर्फ वाहनों की आवाजाही नहीं थी, यहां सैकड़ों साइकिल सवार ही दिखाई दे रहे थे. किसी की साइकिल पर तिरंगा लहरा रहा था, तो किसी के हाथ में 'नशे से दूरी है जरूरी' का संदेश. जैसे ही बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग एक साथ साइकिलों से सड़कों पर उतरे, तो पूरे मार्ग पर लोगों की नजरें उनकी ओर टिक गईं. चौराहों से गुजरते हुए साइकिल सवारों का काफिला शहरवासियों को एक ही संदेश दे रहा था 'नशा छोड़िए, स्वस्थ जीवन अपनाइए'.

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाए जा रहे 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत शनिवार को साइक्लोथॉन का आयोजन हुआ. पलासिया स्थित 'आई लव इंदौर' सेल्फी पॉइंट से शुरू हुई इस रैली में करीब 400 साइकिल सवार शामिल हुए. इनमें स्कूली बच्चे, युवा, महिलाएं, करीब 70 वर्ष तक के वरिष्ठ नागरिक, बीएसएफ के जवान, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और पुलिस अधिकारी भी शामिल रहे. रैली शुरू होने से पहले प्रतिभागियों ने जुम्बा सत्र में हिस्सा लेकर खुद को तैयार किया और नशे से दूर रहने की शपथ ली. इसके बाद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आरके सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया.

साइक्लोथान के दौरान रास्ते भर लोग फोटो लेते रहे और वीडियो बनाते रहे- साइकिल सवारों का काफिला पलासिया से गीता भवन, जीपीओ चौराहा, सपना संगीता, कलेक्ट्रेट चौराहा, राजवाड़ा और रीगल चौराहा होते हुए दोबारा पलासिया पहुंचा, रास्ते भर लोग रैली को देखते रहे. कई जगह राहगीरों ने मोबाइल निकालकर तस्वीरें और वीडियो बनाए. साइकिल सवार लगातार 'नशे से दूरी है जरूरी' और 'स्वस्थ जीवन, नशामुक्त जीवन' का संदेश देते रहे.

अभियान का उद्देश्य हर वर्ग तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाना : आरके सिंह

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है. उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल और रचनात्मक कार्यों में लगाने की अपील की. उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य हर वर्ग तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाना है. कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त अभिषेक रंजन, अतिरिक्त पुलिस उपायक्त राजेश दंडोतिया सहित अन्य अधिकारी भी है. इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें.

पीटीसी परिसर में भी गूंजा 'नशे से दूरी है जरूरी' का नारा

इंदौर. शनिवार सुबह पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय (पीटीसी) परिसर में कदमताल की आवाज के साथ नशामुक्ति का संदेश गूंज उठा. वर्दी पहने प्रशिक्षु नव आरक्षक हाथों में जागरूकता संदेश लेकर जैसे ही रैली में निकले, पूरा परिसर नशे से दूरी है जरूरी के नारों से गूंजने लगा. रैली में शामिल अधिकारी भी प्रशिक्षुओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते नजर आए और उन्हें समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने की जिम्मेदारी का अहसास कराया. पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत आयोजित रैली में पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय की पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के मार्गदर्शन और उप पुलिस अधीक्षक शैलजा पटवा के नेतृत्व में अधिकारी, कर्मचारी और प्रशिक्षु

नव आरक्षक शामिल हुए. रैली के दौरान प्रशिक्षुओं ने नशे के दुष्प्रभावों से लोगों को जागरूक करते हुए स्वस्थ और नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया. रैली के बाद उप पुलिस अधीक्षक शैलजा पटवा ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशे से दूर रहना केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है. उन्होंने प्रशिक्षुओं से अपील की कि वे पुलिस सेवा के साथ-साथ समाज में भी नशामुक्ति के संदेशवाहक बनें. कार्यक्रम में निरीक्षक कल्पना चौहान, प्रियंका काम्बले, विक्रम चौहान, अभय नेमा, चंद्रकला आर्वे, सलीम खान, इमरत लाल धुर्वे और प्रहलाद डिंडोर सहित पीटीसी का स्टाफ मौजूद रहा.

दवा बाजार में भी चला नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान

- 500 दवा व्यापारी और कर्मचारी हुए शामिल
- नशे के दुष्परिणामों के साथ एनडीपीएस एक्ट के प्रावधान बताए

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रदेश की नारकोटिक्स विंग ने नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत इंदौर दवा बाजार में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया. इसमें करीब 500 दवा व्यापारियों और कर्मचारियों को अवैध मादक पदार्थों के दुष्परिणाम, एनडीपीएस एक्ट के प्रावधान और दवाओं के वैधानिक भंडारण व विक्रय संबंधी नियमों की जानकारी दी गई.

इस अवसर पर नारकोटिक्स विंग के अधिकारियों ने कहा कि कुछ अपराधी प्रिस्क्रिप्शन दवाओं का दुरुपयोग कर सिंथेटिक मादक पदार्थों का अवैध कारोबार करते हैं. ऐसे मामलों की रोकथाम में दवा व्यापारियों की सतर्कता और सहयोग महत्वपूर्ण है. कार्यक्रम के अंत में सभी व्यापारियों ने नशे के खिलाफ पुलिस का सहयोग करने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया. इस दौरान उप पुलिस अधीक्षक संतोष हाड़ा ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम में दवा व्यापारियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने व्यापारियों से संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को देने और नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की.

सड़क हादसे में युवक की मौत, नहीं हो सकी शिनाख्त

एयरपोर्ट के सामने सड़क किनारे गंभीर हालत में मिला था

इंदौर. एयरपोर्ट के सामने सड़क किनारे गंभीर हालत में मिले एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई. पुलिस को आशंका है कि किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारी है. फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है.

बाबू मुराई कॉलोनी के सामने सड़क किनारे करीब 35 वर्षीय युवक घायल अवस्था में मिला था. डायल 112 की मदद से उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया. मृतक की जेब से पहचान संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिले हैं. वह सफेद लाइनिंग वाली शर्ट पहने हुए था तथा उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान हैं. एरोड्रम थाना प्रभारी वेदेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल की मर्च्यूरी में रखवाकर अज्ञात वाहन और मृतक की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं.

दो बदमाश धारदार चाकुओं के साथ गिरफ्तार

इंदौर. शहर की विजयनगर और खजराना पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से दो आरोपियों को धारदार चाकुओं के साथ गिरफ्तार किया है. विजयनगर थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने बताया कि एनआरके बिजनेस पार्क के पास खाली मैदान से साहिल उर्फ बच्चा वालेकर, निवासी बड़ी भमोरी रामनगर, को एक धारदार तड़तड़ी चाकू के साथ पकड़ा. पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चाकू जब्त कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया. वहीं खजराना थाना प्रभारी मनोज सेंधव ने बताया कि स्कीम नंबर 134 स्थित स्टार चौराहे के पास से दीपक चौरसिया, निवासी काक्षी मोहल्ला, जिला कोर्ट के पीछे, को स्प्रिंगदार धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया. दोनों मामलों में पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चाकू जब्त कर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

एक नजर में
मानसून की बेरुखी से सोयाबीन की फसल पर संकट

महू/सिमरोल. मानसून की बेरुखी के चलते महू तहसील के किसान इन दिनों भारी परेशानी से गुजर रहे हैं. खरीफ की प्रमुख फसल सोयाबीन अब दम तोड़ने लगी है. खेतों में दरारें साफ नजर आने लगी हैं. 23 दिन की हो चुकी सोयाबीन की फसल को अब किसी भी हाल में पानी की सख्त आवश्यकता है. इस बार महू तहसील में लगभग 36 हजार हेक्टेयर भूमि पर सोयाबीन की बोवनी की गई है. फसल में अब तक एक स्प्रे भी किया जा चुका है, लेकिन बारिश नहीं होने से स्थिति नाजुक बनी हुई है. किसानों का दर्द यह है कि कभी फसल का उचित मूल्य नहीं मिलने से नुकसान होता है तो कभी मौसम की मार झेलनी पड़ती है. किसानों को बहुत कम ऐसा मौका मिलता है, जब उनकी फसल भी अच्छी हो और फसल का उचित दाम भी उन्हें मिल जाए. कृषि वैज्ञानिक डॉ. डीके मिश्रा ने किसानों को सलाह देते हुए कहा है कि सोयाबीन की फसल के लिए अभी स्थिति नाजुक है. फसल को राहत देने के लिए किसानों को खेतों में निंदाई-गुड़ाई के साथ डोरे चलाने चाहिए. इससे खरपतवार भी निकलेगा और जमीन की नमी भी बरकरार रहेगी. वहीं हल्के खेतों में फसल को बचाने के लिए मिनी स्प्रिंकलर का प्रयोग किया जा सकता है, ताकि फसल सूख न पाए. इस समय कीटनाशक का छिड़काव न करें.

शिक्षा परिसर बना अघोषित निजी पार्किंग स्थल, छात्राओं की सुरक्षा दांव पर

महू. हरिफाटक स्थित शासकीय शिक्षा परिसर इन दिनों अपनी मूल पहचान खोकर एक अघोषित निजी पार्किंग स्थल में तब्दील हो चुका है. इस महत्वपूर्ण परिसर में ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर कार्यालय, विकासखंड समन्वयक स्रोत कार्यालय, कन्या विद्यालय, उत्कृष्ट स्कूल और बालिका छात्रावास जैसे अति-संवेदनशील संस्थान संचालित होते हैं. इसके बावजूद, जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे रोजाना दर्जनों निजी और बाहरी वाहन यहां अवैध रूप से पार्क किए जा रहे हैं. परिसर में कन्या विद्यालय और विशेष रूप से बालिका छात्रावास होने के कारण यहां छात्राओं की सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा है. दिनभर बाहरी और अज्ञात लोगों की गाड़ियों के आने-जाने से कैंपस का माहौल असुरक्षित हो रहा है. वाहनों के शोर और प्रदूषण के कारण छात्र-छात्राओं की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है. स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा के मंदिर में इस तरह बाहरी तत्वों का दखल किसी बड़ी अप्रिय घटना को आमंत्रण दे रहा है. आश्चर्य की बात तो यह है कि इसी परिसर में क्षेत्र के शीर्ष शिक्षा अधिकारी बैठते हैं. उनके ठीक सामने परिसर का यह हाल है. जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन तुरंत इस मामले को संज्ञान में ले. मुख्य द्वार पर सुरक्षा गार्ड की तैनाती की जाए और बाहरी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए. यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो पालकों द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा.

विशेष लोक अदालत में 9 करोड़ से अधिक के अवॉर्ड पारित

महू. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार शनिवार को इंदौर जिला न्यायालय सहित सभी बाह्यवर्ती तहसील न्यायालयों में धारा 138 एनआई एक्ट की विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया. यह आयोजन म.प्र. उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ के प्रशासनिक व पोर्टफोलियो जज न्यायमूर्ति सुबोध कुमार अभ्यंकर के मार्गदर्शन एवं प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में सुबह 10.30 बजे से शुरू हुआ. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इंदौर के सचिव व न्यायाधीश शिवराज सिंह गवली ने बताया कि लोक अदालत के सुचारू संचालन के लिए जिला मुख्यालय और तहसील न्यायालयों देपालपुर, सांवेर व हातौद में कुल 11 खंडपीठों का गठन किया गया था. इन खंडपीठों में आपसी समझौते के आधार पर चेक बाउंस के कुल 240 प्रकरणों का सौहार्दपूर्ण निराकरण किया गया. इन मामलों में कुल 09 करोड़ रुपये से अधिक की समझौता राशि के अवॉर्ड पारित किए गए. इस विशेष लोक अदालत की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसमें त्वरित न्याय की मिसाल पेश करते हुए 07 ऐसे बेहद पुराने मामलों का भी निपटारा किया गया, जो पिछले 10 वर्षों से अधिक समय से न्यायालयों में लंबित थे.

जोधपुर-इंदौर एक्सप्रेस में महिला का पर्स चोरी

- 81 हजार का सामान ले उड़ा बदमाश
- भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन के पास हुई वारदात

नव भारत न्यूज

इंदौर. जोधपुर इंदौर एक्सप्रेस में सफर के दौरान एक महिला का पर्स चोरी होने का मामला सामने आया है. पर्स में नकदी, सोने चांदी के जेवर, मोबाइल सहित करीब 81 हजार रुपए का सामान रखा था. घटना भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन के पास हुई. जीआरपी इंदौर ने शून्य पर मामला दर्ज कर केस डायरी जीआरपी चित्तौड़गढ़ को भेज दी है. नरेश सिंह, निवासी इंदौर, 16 जुलाई को अपने परिवार के साथ जोधपुर इंदौर एक्सप्रेस के बी 5 कोच की बर्थ नंबर 65, 68 और 71 पर यात्रा कर रहे थे. सफर के दौरान उनकी पत्नी अपना लेडीज पर्स सिरहाने रखकर सो गईं. भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन के पास नींद खुलने पर पर्स गायब मिला. पर्स में वनप्लस कंपनी का मोबाइल, 6,100 रुपए नकद, चांदी की चेन, तीन ग्राम वजनी सोने के टॉप्स, सोने की अंगूठी सहित अन्य सामान रखा था, जिसकी कीमत करीब 81,100 रुपए बताई गई है. घटना का क्षेत्राधिकार जीआरपी चित्तौड़गढ़ का होने से जीआरपी इंदौर ने शून्य पर प्रकरण दर्ज कर केस डायरी आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी चित्तौड़गढ़ को भेज दी है.

रैंकिंग : चंदननगर फिर बना शहर का नंबर 1 थाना

- छोटी ग्वालटोली रहा सबसे फिसड्डी
- बाणगंगा दूसरे और द्वारकापुरी तीसरे स्थान पर रह

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के थानों की जून माह की रैंकिंग में एक बार फिर चंदननगर थाना सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला थाना बना है, जबकि छोटी ग्वालटोली सबसे निचले पायदान पर रही. पुलिस कमिश्नरेट ने 32 थानों का मूल्यांकन अपराध नियंत्रण, विवेचना, जनसंतुष्टि, लंबित मामलों के निराकरण और पुलिसिंग में किए गए नवाचार सहित विभिन्न मापदंडों के आधार पर किया.

रैंकिंग में बाणगंगा दूसरे और द्वारकापुरी तीसरे स्थान पर रहे. सदर बाजार, भंवरकुआं, राजेंद्र नगर, हीरानगर, राऊ, तेजाजीनगर और पलासिया ने भी शीर्ष 10 में जगह बनाई. वहीं सूची के निचले पायदान पर छोटी ग्वालटोली के साथ सराफा, पंढरीनाथ और सेंट्रल कोतवाली भी रहे. कमिश्नरेट की ओर से हर महीने जारी होने वाली यह रैंकिंग थानों के कामकाज की समीक्षा का आधार बन रही है. इसके जरिए अलग-अलग मापदंडों पर थानों की कार्यप्रणाली का आकलन कर पुलिसिंग की गुणवत्ता सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

बेहतर पुलिस सेवा के लिए...

पुलिस कमिश्नर, संतोष कुमार सिंह ने बताया कि थानों की मासिक रैंकिंग का उद्देश्य पुलिसिंग को अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाना है, ताकि आमजन को बेहतर पुलिस सेवा मिल सके.

एमडी ड्रग्स तस्करी मामले में छह माह से फरार आरोपी धराया

मामले में चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था

नव भारत न्यूज

इंदौर. क्राइम ब्रांच ने एमडी ड्रग्स तस्करी के एक चर्चित मामले में छह माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी की तलाश लंबे समय से की जा रही थी. तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उसे पकड़ने में सफलता मिली.

एनडीपीएस एक्ट के एक प्रकरण में पहले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था. उनके कब्जे से 53.96 ग्राम एमडी ड्रग्स (मेफेड्रोन) और एक ब्रेजा कार जब्त की गई थी. मामले की जांच के दौरान अरमान पिता आजम खान

उम्र 23 साल निवासी ग्राम सूरजनी, जिला मंदसौर की संलिप्तता सामने आई थी. घटना के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था. क्राइम ब्रांच की टीम आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी. इसी दौरान तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस अब आरोपी से ड्रग्स के स्रोत, सप्लायर और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है. मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है. डीसीपी क्राइम, राजेश त्रिपाठी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के आधार पर ड्रग्स तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है.

कार से 40 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त, तस्कर गिरफ्तार

इंदौर. चंदननगर पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक कार से 40 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार, जगदीशपुरी ग्राउंड के पास सर्विस रोड पर कार्रवाई के दौरान राहुल पटेल, निवासी ग्राम विजुर, थाना सादलपुर, जिला धार को पकड़ा. उसके कब्जे से गोवा ब्रांड की अंग्रेजी शराब की 40 पेटियों में रखे 1,920 क्वार्टर शराब बरामद की गई, जिसकी कीमत करीब 2.59 लाख रुपए है. कार्रवाई के दौरान शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही ओरा कार एमपी 09 टीबी 5435 भी पुलिस ने जब्त कर ली. थाना प्रभारी तिलक करोले ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है.

होटल संचालक के बेटे और कर्मचारियों को धमकाया

केस वापस लेने का बनाया दबाव

नव भारत न्यूज

इंदौर. राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र स्थित एबी रोड पुलिया के पास बी टाउन होटल में घुसकर कुछ लोगों द्वारा होटल संचालक के बेटे और कर्मचारियों को धमकाने का मामला सामने आया है. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस के अनुसार, अमितेष नगर में रहने वाले हितेश एल्दासानी उम्र 41 साल ने शिकायत दर्ज कराई कि 15 जुलाई की शाम वह बी टाउन होटल में मौजूद था. इसी दौरान आनंदीलाल सेठ, शेखर पटेल, योगेश और उनके अन्य साथी होटल में पहुंचे तथा कर्मचारियों से उसके बारे में पूछताछ करने लगे. कर्मचारियों ने बताया कि सेठ यहां नहीं हैं, जिस पर आरोपियों ने कहा कि उन्हें पता है कि सेठ का बेटा हितेश होटल के अंदर मौजूद है और उसे बाहर बुलाने के लिए कहा.

आरोप है कि कर्मचारियों द्वारा मना करने पर आरोपियों ने हितेश सहित होटल के कर्मचारी अंकित राठौर, कैलाश रजाक व अन्य कर्मचारियों के साथ गाली गलौज की, जाते-जाते आरोपियों ने होटल संचालक से चल रहे प्रकरण को वापस लेने का दबाव बनाया और ऐसा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी. मामले में राजेंद्र नगर थाना प्रभारी यशवंत बडोले ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

एक नजर में – चौराहे पर चल रहे काम के कारण सड़क पहले ही संकीर्ण हो चुकी है, ऊपर से बीच सड़क पर बेतरतीब खड़े ई-रिक्शों के कारण यातायात व्यवस्था चरमराई

मूसाखेड़ी चौराहे पर रोज लग रहा लंबा जाम, वाहन चालक परेशान

इंदौर. मूसाखेड़ी रिंग रोड चौराहे पर चल रहे फ्लाईओवर निर्माण और बीच सड़क पर ई-रिक्शा चालकों द्वारा बेतरतीब ढंग से सवारियां भरने के कारण ट्रैफिक जाम लगा रहता है, जिससे आम जनता और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

शहर में बेलगाम यातायात व्यवस्था के बीच मूसाखेड़ी रिंग रोड चौराहा इन दिनों अव्यवस्थाओं का केंद्र बना हुआ है. यहां फ्लाईओवर निर्माण कार्य के कारण सड़क संकरी हो गई है, जिससे वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है. इसके बावजूद ई-रिक्शा चालक नियमों को दरकिनार कर चौराहे और मुख्य मार्ग पर वाहन खड़े कर सवारियों का इंतजार करते रहते हैं. कई बार एक साथ कई ई-रिक्शा सड़क घेर लेते हैं, जिससे अन्य वाहनों की आवाजाही बाधित होती है और जाम की स्थिति बन जाती है. स्थानीय लोगों का कहना है कि यातायात विभाग ने ई-रिक्शा के लिए निर्धारित रूट तय किए हैं, लेकिन दूसरे रूट के ई-रिक्शा भी इसी चौराहे पर कब्जा जमाए रहते हैं. इसका असर सिटी बस सेवा पर भी पड़ रहा है. बस निर्धारित समय के लिए रुकती है, लेकिन ई-रिक्शा की भीड़ के कारण यात्री आसानी से बस तक नहीं पहुंच पाते. लोगों ने यातायात विभाग से नियमित कार्रवाई और व्यवस्था सुधारने की मांग की है.

यह बोले नागरिक...

यूं तो दिनभर वाहनों की भीड़ रहती है, लेकिन सुबह और शाम के समय यातायात का दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाता है. ऐसे में 15-20 ई-रिक्शा बीच सड़क पर खड़े हो जाते हैं, इससे वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है. ई-रिक्शा चालकों को बोलो तो झगड़े पर उतारू हो जाते हैं.

– मदन यादव

जब ई-रिक्शा का रूट यातायात विभाग ने तय कर दिया, फिर भी दूसरे रूट के ई-रिक्शा यहां पर आकर खड़े हो जाते हैं. चौराहे पर ट्रैफिक व्यवस्था के लिए पुलिस की तैनाती बहुत जरूरी है.

– विमल ठाकुर

चौराहे पर पहले ही जगह नहीं हैं. यातायात का दबाव इतना है कि सुबह से शाम तक कई बार जाम लग जाता है. ज्यादा देर बस को रोक नहीं सकते, ऐसे में बस खाली जाती है.

– महेंद्र चौहान, सिटी बस एरिया सुपरवाइजर